# प्रेस विज्ञप्ति

## फिजियोलॉजी आउटरीच प्रोग्राम

आज दिनांक 04 मई 2017 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के फिजियोलॉजी विभाग द्वारा फिजियोलॉजी आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ला–माटीनियर ब्वायज और सी0एम0एस0 अलीगंज के कक्षा 8 एवं 9 के छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर छात्रों का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 मनीष बाजपेई द्वारा किया गया और प्रो0 बाजपेई द्वारा छात्रो को फिजियोलॉजी आउटरीच कार्यक्रम से अवगत कराया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा छात्रों को सम्बोधित किया गया। अपने सम्बोंधन में माननीय कुलपति जी द्वारा छात्रों को इस प्रकार के प्रोग्राम के उपयोगिता के बारे मे बताया गया। उन्होनें कहा कि सेवा ही परमोधरम है। एक चिकित्सक अगर निस्वार्थ होकर किसी मरीज का उपचार करता है तो उससे बड़ी सेवा कोई और नही है। इस प्रकार मेडिकल प्रोफेशन जैसा नोबल कोई और दुसरा प्रोफेशन नही है। इस प्रोफेशन मे हमे समाज की सेवा करने का मौका मिलता है। इस अवसर पर छात्रो द्वारा ह्यूमन लैबोरेटरी और हिमैटोलॉजी लैबोरेटरी का भ्रमण किया गया। इस दौरान छात्रों को विभिन्न हिमैटोलॉजी के प्रयोगशाला और मानव शरीर के विभिन्न अंगो को दिखाया और उनके सम्बंध में बताया गया।

छात्रों द्वारा इस अवसर पर रक्तचाप मापन, हृदय गति मापन और ब्लड ग्रुप की पहचान अदि किया गया। इस अवसर पर छात्रो को प्रो0 सुनीता तिवारी, विभागाध्यक्ष, फिजियोलॉजी विभाग, प्रो0 नरसिंह वर्मा, प्रो0 मनीष बाजपेई, प्रो0 सन्दीप तिवारी, प्रो0 सुनित मिश्रा, अदि संकाय सदस्यों द्वारा सम्बोधित किया गया। संकाय सदस्य और छात्रों द्वारा विभाग के इस कार्यक्रम की अत्याधिक सराहना की गई।

## आर0आर0टी0सी0 सेंटर का उद्घाटन

माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा आज 04 मई, 2017 को केजीएमयू में इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट (आई0एच0ए0टी0), द्वारा स्थापित क्षेत्रीय संसाधन प्रशिक्षण केंद्र (आर0आर0टी0सी0) का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आई0एच0ए0टी0 के प्रबंध निदेशक श्री विकास गॉथवाल भी उपस्थित रहे। इस केंद्र के लिए प्रो0 शैली अवस्थी बाल रोग विभाग के0जी0एम0ययू0 नोडल अधिकारी है। इस अवसर पर के0जी0एम0यू0, ए0एम0यू0, इलाहाबाद एवं गोरखपुर के मेडिकल कॉलेजों के 54 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। आई0एच0टी0 एक एन0जी0ओ0 है जो 2003 से स्वास्थ्य मंत्रालय में पंजीकृत है। इसे बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। उत्तर प्रदेश में इस संस्था द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने में सहायता के लिए एक तकनीकी सहायता इकाई (टी0एस0यू0) की स्थापना की गई है। संस्था द्वारा मातृ एवं बाल मृत्यु को कम करने के लिए अंतिम लक्ष्य के साथ मातृ एवं बाल स्वास्थ्य के सेवाओं के वितरण में सुधार किया है। यह 2020 तक सशक्त विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करेगा। आई0एच0टी0 उत्तर प्रदेश के 25 सबसे पिछड़े जिले में स्वास्थ्य की देखभाल कर रहा है। आई0एच0टी द्वारा सूबे के चार मेडिकल कॉलेजों में आर0आर0टी0सी0 सेंटर की स्थापना की गई हैं,

के0जी0एम0यू0 आर0आर0टी0सी0 सेंटर  के अलावा नोडल सेंटर है। प्रत्येक मेडिकल कॉलेज से लगभग 7–8 जिलों के पहले रेफरल इकाइयों (एफ0आर0यू0) में चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाता है और उन्हें 3 मासिक यात्राओं का संचालन करने और उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और उनकी समस्याओं की पहचान करने एवं उन्हें हल करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। जिसको अब 6 महीने के समय में पुनरीक्षित किया जायेगा। के0जी0एम0यू0 से जुड़े आठ जिलों में बाराबंकी, फैजाबाद, सीतापुर लखीमपुर, कन्नौज, हरदोई और शाहजहांपुर हैं। टी0एस0यू0 चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य डॉक्टरों के बीच के प्रशिक्षण का अनुठा मॉडल है जो दूरस्थ जिलों के सरकारी डॉक्टरों के ज्ञान को बेहतर बनाने और उनका कौशल बढ़ाने  में तथा मातृ एवं बाल्यकाल की बीमारियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य देखभाल हेतु अच्छा परिणाम देगा। यह 2 साल का प्रोजेक्ट है और यदि मॉडल सफल होता है, तो इसे पूरे राज्य में दोहराया जा सकता है।

कार्यक्रम में प्रो0 भट्ट ने कहा कि यह एक महान कार्य है। केजीएमयू पूरी तरह से इस पहल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा की इसका निरीक्षण करना और सलाह देना संकाय सदस्यो का कर्त्तब्य माना जयेगा क्योंकि यह उनके नियमित कार्य का एक हिस्सा होगा।

## पुनर्वास एवं कृत्रिम अंग केंद्र का भ्रमण

आज प्रातः माननीय कुलपति महोदय द्वारा आर0ए0एल0सी0 सेंटर का औचक भ्रमण किया गया। इस दौरान माननीय कुलपति जी द्वारा लिम्ब सेंटर में विद्यमान सभी विभागों का निरीक्षण किया गया। तथा मरीजो के तीमारदारो से भी बातचीत की गई। इस दौरान माननीय कुलपति जी द्वारा लिम्ब सेंटर के विभागो मे उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई और इस बात का निर्देश भी दिया गया कि यहा उपलब्ध सुविधाओं का प्रयोग किस प्रकार किया जाए जिससे मरीजो को और भी अच्छी सुविधाएं मिल सकें।

प्रवक्ता, मीडिया सेल

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय

लखनऊ